Regarding need for comprehensive development of Devarahi Mata Temple Complex

श्री शशांक मणि (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से देवरिया जिले की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान सिद्धपीठ मां देवरही मंदिर के प्रांगण को भव्य एवं विकसित कराने की आवश्यकता पर इस सदन और देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । देवरही माता का मंदिर न केवल देवरिया जिले की सांस्कृतिक आत्म है, बल्कि वहां के पर्यटन को भी वेग देगा । अमृत प्रयास के अंतर्गत इस पुराने मंदिर की न्यायोचित जांच की जाए, ताकि मंदिर परिसर का समग्र विकास किया जाए ।

12.22 hrs (Shrimati Sandhya Ray *in the Chair*)

इस मंदिर परिसर का प्राचीन मंदिरों की तरह चहूंमुखी विकास हो । जैसे कि उसमें धार्मिक आस्था के साथ-साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक सुविधाओं का भी समावेश हो । सभापति महोदया जी, मंदिर का कुल क्षेत्रफल छह एकड़ में तीन एकड़ की भूमि इसके लिए पर्याप्त होगी । इसके लिए हमने अमृत प्रयास के तहत एक आवेदन भी दिया है और मैं समझता हूं कि इसमें हमारे पौहारी महाराज जिन्होंने इस मंदिर की स्थापना की है,उनको भी इसमें पूरा-पूरा समर्थन रहेगा । धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत ।